न्यायिक आधुनिकीकरण और दक्षता की दिशा में एक कदम आगे

नईदुनिया प्रतिनिधि, बिलासपुर: न्यायपालिका के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाते हुए छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा ने शनिवार को जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग में डिजिटलीकरण केंद्र, अधिवक्ता हाल और नए सम्मेलन हाल का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस अवसर पर दुर्ग जिले के पोर्टफोलियो जज और हाई कोर्ट कम्प्यूटराइजेशन कमेटी के चेयरमैन न्यायमूर्ति नरेन्द्र कुमार व्यास सहित उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति राकेश मोहन पांडे, न्यायमूर्ति रविन्द्र कुमार अग्रवाल और न्यायमूर्ति बिभु दत्ता गुरु की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने दुर्ग जिला न्यायालय को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि बिलासपुर और रायपुर के बाद अब दुर्ग तीसरा जिला बन गया है, जहां पूर्ण डिजिटलीकरण केंद्र की स्थापना की गई है। मुख्य न्यायाधीश ने यह भी कहा कि कम्प्यूटरीकरण समिति को निर्देश दिया गया है कि जल्द ही राज्य के सभी न्यायालयों में इस व्यवस्था का विस्तार किया जाए। उन्होंने यह जानकारी भी साझा की कि उनके प्रयासों से अब तक उच्च न्यायालय में 3359 प्रकरण, रायपुर जिला न्यायालय में 2543 प्रकरण और बिलासपुर जिला न्यायालय में 2055 प्रकरणों की प्रभावी स्कैनिंग की जा चुकी है।

नए अधिवक्ता हाल और सम्मेलन हाल की स्थापना की सराहना करते हुए मुख्य न्यायाधीश ने बेहतर न्यायिक कार्यप्रणाली के लिए मजबूत बुनियादी ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया।

SCAN AnyScanner